Publication	Hindustan	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	20/11/2024	Page no	8
CCM	13.15		

The cooperative movement played an important role in increasing milk production

सहकारिता आंदोलन ने दूध उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

हिम्मतनगर। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा, देश के सहकारिता आंदोलन ने पिछले पांच दशक में प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गुजरात के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर में आयोजित उद्घाटन समारोह में शाह ने किसानों से प्राकृतिक खेती के तरीकों को अपनाने का भी आग्रह किया।

सहकारिता मंत्री ने कहा, देश में 1970 में प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन मात्र 40 ग्राम था। इसका मतलब, देश में हर व्यक्ति को रोज केवल 40 ग्राम दूध उपलब्ध था। 2023 में प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन बढ़कर 167 ग्राम प्रतिदिन हो गया है, जो यह दर्शाता है कि भारत का प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन औसत अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा है।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Dainik Jagran (Rashtriya)	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	20/11/2024	Page no	10
CCM	38.20		

The cooperative movement played an important role in increasing per capita milk production

सहकारिता आंदोलन ने प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन बढ़ाने में निभाई अहम भूमिका

हिम्मतनगर, प्रेट्र : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि देश के सहकारिता आंदोलन ने पिछले पांच दशकों में प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। गुजरात के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर कस्बे के पास साबर डेयरी परिसर में 800 मीट्रिक टन क्षमता वाले पशु आहार संयंत्र का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने किसानों से प्राकृतिक खेती के तरीकों को अपनाने का भी आग्रह किया।

शाह ने कहा, "1970 में भारत का प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन सिर्फ 40 ग्राम था। इसका मतलब यह था कि देश में प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन सिर्फ 40 ग्राम दूध उपलब्ध था। 2023 में प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन बढ़कर 167 ग्राम प्रतिदिन हो गया।" उन्होंने कहा, 'वर्तमान में वैश्विक स्तर पर प्रति व्यक्ति दूध

सहकारिता मंत्री अमित शाह ने किसानों से प्राकृतिक खेती के तरीकों को अपनाने का आग्रह किया

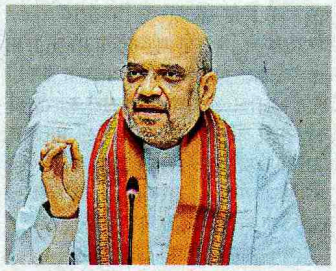

अमित शाह। फाइल

उत्पादन औसत 117 ग्राम है। यह दर्शाता है कि भारत का प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन अन्य देशों की तुलना में सबसे अधिक है और हमारे सहकारिता आंदोलन ने दूध उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।" इस मौके पर शाह ने भारत में सहकारिता आंदोलन के जनक माने जाने वाले त्रिभुवन दास पटेल को याद किया। उन्होंने 1946 में कैरा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ की शुरुआत की थी, जिसने डेयरी उत्पादों के 'अमूल' ब्रांड की नींव रखी। शाह ने किसानों और पशुपालकों से प्राकृतिक खेती अपनाने का भी आग्रह किया और कहा कि 10 लाख करोड़ रुपये का वैश्विक बाजार उनका इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा, 'प्राकृतिक खेती न केवल किसानों के लिए समृद्धि लाएगी, बल्कि लोगों को कैंसर, रक्तचाप और मधुमेह जैसी बीमारियों से भी बचाने में मदद करेगी। 20 एकड़ जमीन पर प्राकृतिक खेती करने के लिए एक गाय होना ही काफी होगा। एक बार जब आप इस खेती की तकनीक को अपना लेंगे, तो आपको कभी भी कीटनाशक की जरूरत नहीं पड़ेगी।'

****

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD